कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
E-mail:krl.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065
स्थापना वर्ष:1963

Syllabus – B. A./B.Hsc./B.Sc./B.Com. Ist Sem. – Academic Session – 2025-26
(Under NEP 2020 & As per Ordinance 14-1)

कक्षाः बी.ए./बीएच.एससी./बी.एससी./बी.कॉम. प्रथम वर्ष
विषय :– आधार पाठ्यक्रम
सत्रः 2025–26
सेमेस्टर – I

1. **पाठ्यक्रम का कोड – --------**
2. **पाठ्यक्रम का शीर्षक – हिन्दी भाषा और संस्कृति**
3. **पाठ्यक्रम का प्रकार – आधार पाठ्यक्रम (AEC)**
4. **पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–**
   1. भारतीय ज्ञान परंपरा से विद्यार्थियों को अवगत एवं लाभान्वित करवाना।
   2. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी हिन्दी के प्रसिद्ध रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।
   3. पठित रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थी देश की संस्कृति, चेतना, संस्कार एवं राष्ट्रीय भावना से परिचित हो सकेंगे।
   4. व्याकरण एवं भाषा ज्ञान का बोध
   5. सामान्य शब्दावली और विशेष शब्दावली के अध्ययन द्वारा भाषा एवं संस्कृति बोध का विकास करना।
   6. विशेष शब्दावली से परिचित करवाते हुए बोध के स्तर को विकसित करना।
   7. प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु तैयार करना।
5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 02**
6. **कुल अंक – 100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35**
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 30 घंटे**
8. **परीक्षा का समय – 03 घंटे**

इकाई	विषय सामग्री	अवधि
1	1. भारतीय ज्ञान परंपरा एक परिचय 2. भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी भाषा 3. महर्षि पाणिनी – जीवन दर्शन **गतिविधियॉं**– ज्ञान परंपरा पर आधारित पोस्अर सृजन भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित ग्रंथो/पुस्तकों का अवलोकन।	06
2	1. मैथिलीशरण गुप्त परिचय – परिचय पाठ – मातृभूमि कविता 2. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – परिचय पाठ – भारत वंदना (कविता) 3. प्रेमचंद – परिचय पाठ – शतरंज के खिलाडी (कहानी) **गतिविधियॉं**– कविता का सस्वर वाचन । कहानी वायन ।	06
3	1. वैचारिक भारतीय भाषाओं में राम 2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल – परिचय पाठ – उत्साह (भावमूलक निबंध) 3. रामधारी सिंह दिनकर – परिचय पाठ – भारत एक है – (संस्कृति) 4. शरद जोशी – परिचय पाठ – अफसर (व्यंग्य) **गतिविधियॉं**– निबंध लेखन का अभ्यास। भारतीय संस्कृति पर आलेख लेखन।	06

अविरत.....2

4	**हिन्दी व्याकरण –** 1. शब्द रचना – उपसर्ग एवं प्रत्यय 2. शब्द प्रकार – तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी, संकर, नव निर्मित शब्द 3. पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक के लिए एक शब्द **गतिविधियॉं**– शब्द रचना संबंधी समूह चर्चा। देशज विदेशी शब्द सूची बनाना।
5	**हिन्दी व्याकरण –** 1. हिन्दी के प्रमुख विराम चिन्ह 2. संक्षेपण 3. बीज शब्द – धर्म, अद्वेत – भाषा, अवधारणा **गतिविधियॉं**– अनुच्छेद/श्रुतलेख के माध्यम से विराम–चिन्हों का अभ्यास। संक्षेपण का अभ्यास।
	संदर्भ पुस्तकें :– 1. प्रेमचंद – मानसरोवर, खण्ड भाग 1 2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल – चिंतामणी भाग 1 3. शरद जोशी – कहा जाता है। (व्यंग्य संग्रह) 4. डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद – आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, भारती भवन, ठाकुर बाडी रोड, पटना 5. डॉ. राजेश्वरी चतुर्वेदी – हिन्दी व्याकरण, उपकार प्रकाशन, आगरा 6. भारतीय ज्ञान परंपरा विविध आया। संपादक प्रो. सरोज शर्मा, शिप्रा प्रकाशन, नई दिल्ली। 7. प्राचीन भारतीय ज्ञाप परंपरा, लेखक डॉ. अश्विन कुमार राठोर, श्री साईंनाथ प्रकाशन, नागपुर। 8. हिंदी ज्ञान कोश 9. इंटरनेट सामग्री – टैग में उल्लेखित।

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)

स्थापना वर्ष:1963
E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

Syllabus – B. A. Ist Sem. – Academic Session – 2025-26
(Under NEP 2020 & As per Ordinance 14-1)

कक्षा : बी. ए. प्रथम वर्ष
विषय :– हिन्दी साहित्य – मेजर
सेमेस्टर – I

1. **पाठ्यकम का कोड –**
2. **पाठ्यकम का शीर्षक – हिन्दी व्याकरण एवं रचनात्मक लेखन**
3. **पाठ्यकम का प्रकार – मेजर**
4. **पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :–**
   1. इस पाठ्यकम के अध्ययन से विद्यार्थी हिन्दी भाषा के व्याकरण की परम्परा से परिचत होंगे। साथ ही प्राचीन वैयाकरणों के योगदान से परिचत हो सकेंगे।
   2. विद्यार्थी हिंदी का अपार शब्द संपदा से परिचित हो सकेंगे।
   3. विद्यार्थियों के भाषिक ज्ञान में वृद्धि होगी।
   4. रचनात्मक कौशल में दक्षता होगी जिससे उन्हें रोजगार की अनेक संभावनायें मिलेंगी।
5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 06**
6. **कुल अंक – 30+70=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35**
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 90 घंटे**

इकाई	विषय
इकाई–1	**हिन्दी भाषा और व्याकरण : परिचयात्मक पृष्ठभूमि –** 1. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास 2. हिन्दी व्याकरण के विकास के परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परंपरा 3. संस्कृत एवं हिन्दी वैयाकरणों का संक्षिप्त परिचय–पतंजली, पाणिनी, कात्यायन, किशोरीदास वाजपेयी, सुनीति कुमार चटर्जी, कामता प्रसाद गुरू 4. भाषा और व्याकरण का अन्तःसंबंध **गतिविधि**– 1.व्याकरण के उद्भव एवं विकास का प्रवाह तालिका (फ्लो चार्ट) बनवाना 2.आलेख/शोध आलेख का लेखन
इकाई–2	**वर्ण प्रकरण –** 1. वर्ण विचार 2. वर्तनी शोधन 3. सन्धि प्रकरण **गतिविधियां** – 1. वर्तनी शोधन का अभ्यास 2. सन्धि प्रकरण की प्रवाह तालिका (फ्लो चार्ट) बनवाना। वर्तनी शोधन का अभ्यास
इकाई–3	**शब्द सम्पदा –** 1. शब्द संरचना एवं शब्दस्रोत 2. शब्द–भेद (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि) 3. शब्द रूप – (विलोम, पर्याय, अनेकार्थी, मुहावरे आदि) 4. पारिभाषिक एवं मानक शब्दावली 5. समास **गतिविधियां** : 1. नवीन शब्द सृजन, शब्दों के स्रोतों का अन्वेषण करना 2. कतिपय शब्दों के उद्भव और विकास की कहानी का अन्वेषण 3. शब्द संकलन एवं अर्थ की प्रासंगिकता

अविरत.....2

इकाई–4	**वाक्य संरचना –** 1. वाक्य विन्यास (पदक्रम) 2. वाक्य के भेद (रचना एवं प्रयोग के आधार पर) 3. वाक्य शुद्धि 4. विराम चिन्ह, (परिचय एवं प्रयोग) **गतिविधियां** – 1.रचना के आधार पर विद्यार्थियों द्वारा नवीन वाक्यों की निर्मिति का अभ्यास 2. शुद्ध लेखन एवं सुलेख का अभ्यास करना
इकाई–5	**रचनात्मक बोध –** 1. अपठितांश (गद्य–पद्य) 2. पत्र लेखन 3. संक्षेपण एवं पल्लवन 4. अनुवाद प्रकरण 5. निबंध निर्देशन **गतिविधियां** – 1. स्थानिक शब्दों की उत्पत्ति की कहानी। 2. निबंध लेखन का अभ्यास। 3. संक्षेपण एवं पल्लवन।
	संदर्भ ग्रंथ – 1. गुरू कामता प्रसाद, हिंदी व्याकरण लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज 2. डहेरिया, डहेरिया पी., स्वतंत्रता आंदोलन और हिंदी साहित्य म.प्र.हिंदी ग्रंथ अका 3. पाण्डे, पृथ्वीनाथ, डॉ. वृहद सामान्य हिन्दी, विद्या मंदिर प्रकाशन, नई दिल्ली 4. चक्रवर्ती, पी.वी., डॉ. भारती संस्कृति में विज्ञान के तत्व, म.प्र. हिंदी ग्रंथ अका.भोप 5. तिवारी, भोलानाथ, हिंदी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 6. मिश्र, विद्या निवास, डॉ. भारतीय परंपरा, म. प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल 7. बाहरी, हरदेव, डॉ. व्यावहारिक हिंदी व्याकरण और रचना, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहबाद।

.....

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065
स्थापना वर्ष:1963
// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

Syllabus – B. A. Ist Sem. – Academic Session – 2025-26
(Under NEP 2020 & As per Ordinance 14-1)

कक्षा : बी. ए. प्रथम वर्ष
विषय :– हिन्दी साहित्य
सेमेस्टर – I

1. **पाठ्यकम का कोड –**
2. **पाठ्यकम का शीर्षक – कार्यालयीन हिन्दी एवं भाषा कम्प्यूटिंग**
3. **पाठ्यकम का प्रकार – माईनर**
4. **पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :–**
   1. इस पाठ्यकम के माध्यम से विद्यार्थी कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी एवं कार्यशैली से परिचित हो सकेकंगे। जिससे वे कार्यालयीन कार्य करने में सक्षम होंगे।
   2. विद्यार्थी पत्र लेखन की भारतीय प्राचीन परंपरा को जान सकेंगे।
   3. नई तकनीकों के मध्यम से ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकेंगे।
   4. भाषा कम्प्यूटिंग में दक्षता होगी तथा रोजगार प्राप्ति के अवसर मिलेंगे।
5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 04**
6. **कुल अंक – 30+70=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35**
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 60 घंटे**

इकाई	विषय
इकाई–1	**कार्यालयीन हिन्दी का स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्र –** 1. कार्यालयीन हिन्दी का स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्र ऐतिहासिक 2. कार्यालयीन हिन्दी तथा सामान्य हिन्दी का संबंध एवं अंतर 3. हिन्दी के प्रयोजनमूलक संदर्भ – – कार्यालयीन, साहित्यिक, वाणिज्यिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, विधिक एवं कानूनी, जनसंचार माध्यम आदि। 4. राजभाषा हिन्दी और मानक हिन्दी **गतिविधियां**– 1. पारिभाषिक शब्दावली 2. प्राचीन पत्रों का संकलन / अध्ययन
इकाई–2	**कार्यालयीन हिन्दी पत्राचार –** 1. पत्र लेखन की भारतीय परंपरा 2. शासकीय एवं अर्द्धशासकीय पत्र 3. कार्यालयीन आदेश 4. परिपत्र 5. अधिसूचना 6. कार्यालयीन ज्ञापन 7. विज्ञापन 8. निविदा 9. संकल्प 10. प्रेस विज्ञप्ति एवं अन्य कार्यालयीन पत्र **प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन, प्रतिवेदन स्परूप, विशेषता एवं उदाहरण –** **गतिविधियां / अभ्यास** 1. पत्र लेखन 2. संस्था में आयोजित कार्यकमों का प्रतिवेदन लेखन
इकाई–3	**हिंदी के शब्द संसाधन एवं साफ्टवेअर –** 1. हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेअर एवं विभिन्न की बोर्ड, देवानागरी लिपि के विविध फोण्ट्स, यूनीकोड, हिन्दी स्लाइड, पीपीटी., पोस्टर निर्माण, स्पीच टू–टेक्स्ट, टू स्पीच 2. हिन्दी से संबंधित वेबसाईट, ई–मेल, इंटरनेट पर उपलब्ध पत्र, पत्रिकाएं। **गतिविधियां / अभ्यास** : 1. पीपीटी. तैयार करना 2.पोस्टर तैयार करना 3. मेल करना

अविरत.....2

इकाई–4	**कम्प्यूटर एवं इंटरनेट, में हिंदी भाषा एवं देवनागरी लिपि के अनुप्रयोग, कम्प्यूटर का परिचय** 1. कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास 2. ब्लॉगिंग एवं सोशल मीडिया पर हिन्दी लेखन कौशल, फेसबुक 3. यू–ट्यूब एवं अन्य प्लेटफार्म 4. ई–गवर्नेंस 5. विराम चिन्ह, अशुद्धि, संशोधन एवं प्रूफ शोधन **गतिविधियां / अभ्यास**–1.विभिन्न प्रकार के कार्यालयीन पत्र,ब्लॉगिंग, पोस्टर,ईमेल एवं अन्य
	संदर्भ ग्रंथ – 1. सिंह, अजय कुमार, इलेक्ट्रानिक्स पत्रकारिता, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज 2. भाटिया, कैलाशचंद, प्रयोजनमूलकर हिन्दी, प्रक्रिया और स्वरूप, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली 3. श्रीवास्तव, गोपीनाथ, कम्प्यूटर का इतिहास और कार्याविधि, सामयिक प्रकाशन, नयी दिल्ली, 4. शर्मा, चंद्रपाल, कार्यालयीन हिन्दीकी प्रकृति, समता प्रकाशन, दिल्ली 5. इसल्टे दंगल, प्रयोजनमूलक हिंदी, सिद्धांत और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली 6. प्रज्ञा पाठशाला, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार नयी दिल्ली 7. तिवारी, भोलानाथ, हिंदी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 8. सोनटक्के, डॉ. माधव, प्रयोजनमूलक हिंदी, प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 9. सागर, रामचंद सिंह, कार्यालय कार्य विधि, आत्माराम एंड संस, नयी दिल्ली 10. मल्होत्रा, विजयकुमार, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:krl.extension@gmail.com, Website:http.www.kgrl.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

कक्षा : बी. ए. प्रथम वर्ष
विषय :– अर्थशास्त्र
सेमेस्टर – I

1. **पाठ्यक्रम का कोड –**
2. **पाठ्यक्रम का शीर्षक – व्यष्टि अर्थशास्त्र – प्रथम**
3. **पाठ्यक्रम का प्रकार – मेजर**
4. **पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–**
   1. इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी व्यष्टि अर्थशास्त्र के तर्कसंगत व्यवहार और बुनियादी अवधारणाओं को प्राचीन भारतीय व आधुशनिक दृष्टिकोण से समझने में सक्षम होंगे।
   2. विद्यार्थी उपभोक्तावादी और उत्पादकों के व्यवहार और उनके अधिकतम निर्णयों की व्याख्या एवं फर्मों और उद्योगों द्वारा बाजारों में अधिकतम उत्पाद के निर्णयों के बारे में जान सकेंगे। जैसे कि सामान खरीदने के तरीके, उपभोक्ता व्यवहार, उत्पादन मूल्य निर्धारण।
   3. प्राचीन भारतीय दृष्टिकोण तथा आधुनिक दृष्टिकोण में अर्थशास्त्र के मूलभूत सिद्धांतों के बारे में जानने के लिये व्यष्टि अर्थशास्त्र को समझना महत्वपूर्ण है।
5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 06**
6. **कुल अंक – 30+70=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35**
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 90 घंटे**

इकाई	विषय
इकाई–1	**भारतीय ज्ञान परंपरा में अर्थशास्त्र का परिचय –** 1. भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत अर्थशास्त्र की अवधारणा, वृहस्पति, शुक्राचार्य, कोटिल्य, महात्मा गांधी, दीन दयाल उपाध्याय एवं जे.के. मेहता के विचार 2. भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत अर्थशास्त्र का क्षेत्र एवं प्रकृति। भारतीय परंपरा के अनुसार अर्थशास्त्र का अन्य विषयों से संबंध। 3. भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत आर्थिक विश्लेषण। 4. भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुसार अर्थशास्त्र की मूलभूत अवधारणा। वस्तु मूल्य, कीमत, आर्थिक नियम, उपभोक्तावाद, विवेकशील व्यवहार, सेवाभाव। **गतिविधि**– प्रश्नोत्तरी एवं निबंध लेखन।
इकाई–2	**अर्थशास्त्र का परिचय –** 1. आधुनिक अर्थशास्त्रीयों का दृष्टिकोण 2. अर्थशास्त्र की परिभाषा, अर्थ, क्षेत्र एवं प्रकृति, व्यष्टि अर्थशास्त्र की परिभाषा। 3. अर्थशास्त्र का सामाजिक विज्ञान के अन्य विषयों से संबंध। 4. वास्तविक एवं आदर्शात्मक अर्थशास्त्र। 5. आर्थिक विश्लेषण की पद्धतियां, आगमन एवं निगमन विधि। 6. मूलभूत अवधारणाएं – वस्तु, कीमत, मूल्य, विवेकशील व्यवहार, आर्थिक नियम, आवश्यकता एवं चयन। 7. अर्थव्यवस्था की केंद्रीय समस्याएं तथा उत्पादन संभावना वक। **गतिविधि** – परिचर्चा एवं चार्ट निर्माण।
इकाई–3	**उपभोक्ता व्यवहार –** 1. उपयोगिता – भारतीय अवधारणा 2. उपयोगिता – गणनावाचक दृष्टिकोण, कुल उपयोगिता एवं सीमांत उपयोगिता, सीमांत उपयोगिता ह्रास नियम। 3. सम सीमांत उपयोगिता नियम। 4. उपभोक्ता की बचत, भारतीय एवं पाश्चात्य अवधारणा। 5. उपयोगिता – क्रमवावचक दृष्टिकोण 6. तटस्थ वक विश्लेषण– परिभाषा, अर्थ एवं विशेषताएं। 7. उपभोक्ता संतुलन। 8. आय एवं प्रतिस्थापना, कीमत प्रभाव 9. व्यवहारवादी दृष्टिकोण, प्रकट अधिमान सिद्धांत। **गतिविधि** – भारती एवं पाश्चात्य विचारकों का तुलनात्मक चार्ट निर्माण।

Contd--------2

इकाई–4	**मांग और पूति –** 1. मांग एवं पूर्ति की अवधारणा 2. मांग का नियम एवं उसके अपवाद – गिफिन वस्तुएं। 3. मांग की लोच, कीमत, आय व आडी सोच। 4. पूर्ति का नियम एवं पूर्ति की लोच **गतिविधि** – अपने घर में उपलब्ध वस्तुओं की मांग की लोच के अनुसार सूची बनाईये। मांग एवं पूर्ति प्रभावित करने वाले तत्वों का सर्वेक्षण।
इकाई–5	**उत्पादन –** 1. भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुसार उत्पादन की अवधारणा। 2. उत्पादन फलन। 3. परिवर्तनशील अनुपातों के नियम। 4. पैमानों के प्रतिफल। 5. समोत्पाद वक्र, अर्थ, व विशेषताएं। 6. उत्पादक का संतुलन। 7. पैमाने की बचतें। 8. आगम एवं लागत की अवधारणाए – कुल, औसत व सीमांत। **गतिविधि**– किसी उत्पादन इकाई का भ्रमण 2. वोकल फार लोकल एवं स्टार्टअप पर चर्चा।
	संदर्भ ग्रंथ – 1. ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद 2. कौटिल्य अर्थशास्त्र 3. रामायण एवं महाभारत 4. आहुजा एच.एल. सूक्ष्म अर्थशास्त्र के सिद्धांत, एस.चंद्र एण्ड कंपनी, नई दिल्ली। 5. बरलासी, एस., सूक्ष्म अर्थशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, जयपुर। 6. झिंगन, एम.एल. व्यष्टि अर्थशास्त्र, वृंदा पब्लिकेकशन, नई दिल्ली। 7. मिश्रा एस.के. एवं पुरी वी.के. 2001 उच्चतर व्यष्टि, आर्थिक विश्लेषण, हिमालय पब्लिशिंग हाउस, मुंबई। 8. सेठ एम.एल. व्यष्टि अर्थशास्त्र 9. पंत, जे. सी. एवं मिश्रा जे. पी., सूक्ष्म अर्थशास्त्र, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा 10. सिन्हा वी, सी. एवं सिन्हा पुष्पा, व्यष्टि अर्थशास्त्र, एसबीपीडी. पब्लिकेशन, आगरा 11. मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी भोपाल की पुस्तके।

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
E-mail:krl.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065
स्थापना वर्ष:1963

// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

कक्षा : बी. ए. प्रथम वर्ष
विषय :– अर्थशास्त्र
सेमेस्टर – I

1. पाठ्यक्रम का कोड –
2. पाठ्यक्रम का शीर्षक – भारतीय कृषि का परिचय
3. पाठ्यक्रम का प्रकार – माइनर
4. पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–
   1. विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद वर्तमान और प्राचीन कृषि के व्यापक अवलोकन पर प्रकाश डालकर विश्लेषणात्मक कौशल को तेज करने में सक्षम होंगे।
   2. विद्यार्थी कृषि से संबंधित मुद्दों से परिचित होंगे।
   3. विद्यार्थी म. प्र. कृषि के व्यापक अवलोकन से परिचित होंगे। वे भारतीय कृषि से संबंधित घटनाओं और मुद्दों को विकसित, विश्लेषण और व्याख्या करने में सक्षम होंगे।
5. क्रेडिट मान – सैद्धांतिक – 04
6. कुल अंक – 30+70=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35
7. व्याख्यान की कुल अवधि– 60 घंटे

इकाई	विषय
इकाई–1	**प्राचीन भारतीय कृषि का परिचय –** 1. प्राचीन भारतीय कृषि की मुख विशेषताएं 2. भारतीय ज्ञान परंपरा में कृषि पद्धतियां 3. प्राचीन भारत में कृषि आधारित उद्योग 4. प्राचीन भारत में कृषि यंत्रीकरण, प्राचीन भारत में सिंचाई के साधन 5. प्राचीन भारत के विदेशी व्यापार में कृषि की भूमिका **गतिविधियां– 1. प्राचीन भारतीय कृषि की विशेषताओं का चार्ट बनाना।** **2. उपरोक्त विषयों पर प्रस्तुति।**
इकाई–2	**भारतीय कृषि का परिचय –** 1. भारतीय कृषि की मुख विशेषताएं 2. भारतीय कृषि की प्रकृति, महत्व और विशेषताएं, भूमि उपयोग, पैटर्न, भारत में जोतों का आकार और भूमि सुधार 3. भारत में फसल प्रतिरूप 4. कृषि उत्पादन और उत्पादकता की प्रवृत्तियां 5. हरित क्रांति – उद्देश्य, उपलब्धियां और विफलताएं, भारत में दूसरी हरित क्रांति **गतिविधियां– भारतीय कृषि की विशेषताओं का एक चार्ट बनाएं।**
इकाई–3	**भारतीय कृषि से संबंधित प्रणालियां –** 1. कृषि में नई तकनीक 2. भारत में कृषि मूल्य नीति 3. भारत में कृषि श्रमिक और उनकी समस्याएं **गतिविधियां** – 1. संबंधित विषयों पर समूह चर्चा 2. संबंधित विषयों पर वाद–विवाद।

Contd------2

इकाई–4	मांग और पूति –

//2//

इकाई–4	**भारतीय कृषि से संबंधित नीतियां, विकास कार्यकम एवं अन्य मुद्दे भारत में कृषि** **नीतियां –** 1. भारत में कृषि विकास कार्यकम 2. विश्व व्यापार संगठन और भारतीय कृषि 3. भारतीय कृषि का विदेशी व्यापार में योगदान 4. भारत में कृषि आधारित उद्योग, भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, भारत में जैविक खेती। **गतिविधियां** – समूह चर्चा।
इकाई–5	**मध्यप्रदेश की कृषि –** 1. मध्य प्रदेश की कृषि की मुख्य विशेषताएं 2. मध्यप्रदेश के फसल पैटर्न में बदलाव 3. मध्यप्रदेश के कृषि क्षेत्र की प्रवृत्तियां और क्षेत्रीय असमानताएं 4. मध्यप्रदेश में कृषि विकास कार्यकम 5. मध्यप्रदेश में जैविक खेती और पॉली हाउस **गतिविधियां** – उक्त विषयों से संबंधित समाचार पत्रों में प्रकाशित लेख/समाचार पर चर्चा।
	संदर्भ ग्रंथ – 1. अग्रवाल एन.एल., भारतीय कृषि का अर्थ तंत्र, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर 2. मिश्र जय प्रकाश, कृषि अर्थशास्त्र, साहितय भवन प्रकाशन, आगरा 3. गुप्ता, एस.बी., कृषि अर्थशास्त्र, एस.डी.बी.पी., प्रकाशन, आगरा 4. मिश्रा एवं पुरी, भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालय पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली 5. रूद्रदत्त एवं सुंदरम, भारतीय अर्थव्यवस्था, एस.चंद्र एण्ड कंपनी, नई दिल्ली 6. रूद्रदत्त, विकास, गरीबी एवं समता, दीप एंड दीप पब्लिकेशन लि,, नई दिल्ली 7. जे.पी. मिश्रा भारतीय अर्थ व्यवस्था, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा

.....

स्थापना वर्ष:1963

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर

(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)

E-mail:krl.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065

कक्षा : बी.ए./बी.एससी./बी.एच.एससी./बी.कॉम. प्रथम वर्ष

विषय :– पर्यावरण विज्ञान

// शैक्षणिक सत्रः 2025–26 //

सेमेस्टर – I

1. **पाठ्यकम का कोड –**
2. **पाठ्यकम का शीर्षक – पर्यावरण विज्ञान की अवधारणा**
3. **पाठ्यकम का प्रकार – बहु विषयक विषय (MDC)**
4. **पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :–**
   1. छात्रों को पर्यावरण विज्ञान की अवधारणा के बारे में स्पष्ट जानकारी होगी।
   2. वैदिक सयुग में पर्यावरण की भारतीय समग्र अवधारणा को छात्राएं समझेंगी।
   3. छात्राओं को विभिन्न प्रकार प्रदूषण और उनके प्रभावों का ज्ञान होगा।
   4. छात्र ग्लोबल वार्मिंग, अम्लीय वर्षा, ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन आदि के कारणों को समझेंगी।
   5. छात्राएं पर्यावरण शिक्षा की मूल बातें जान सकेंगी।
   6. पर्यावरण संरक्षण के कल्याण के लिए काम करने वाली एजेंसियों के बारे में जानकारी मिलेगी।
5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 03**
6. **कुल अंक – 100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35**
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 45 घंटे**

इकाई	विषय
इकाई–1	**पर्यावरण विज्ञान परिचय –** – पर्यावरण विज्ञानः पर्यावरण विज्ञान का परिचय, भूमिका, आवश्यकता और क्षेत्र – 1. पर्यावरण की भारतीय समग्र अवधारणा 2. वेद, उपनिषद और पुराण 3. रामायण, महाभारत और भागवत गीता 4. कौटिल्य का अर्थशास्त्र 5. प्राचीन भारत की पंच तत्व (पंचमहाभूत) की अवधारणा 7. प्राचीन भारत में पर्यावरण संरक्षण **गतिविधि** – चार्ट/असाईनमेंट तैयार करना।
इकाई–2	**पर्यावरण प्रदूषण –** – प्रदूषण की अवधारणा, प्रदूषण के प्रकार – 1. वायु प्रदूषण, वायु प्रदूषकों के हानिकारक प्रभाव 2. जल प्रदूषण, जल प्रदूषण के हानिकारक प्रभाव 3. मृदा प्रदूषण और इसके हानिकारक प्रभाव 4. ध्वनि प्रदूषण और इसके हानिकारक प्रभाव 5. जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रदूषण और इसके हानिकारक प्रभाव 6. ई–कचरा प्रदूषण और इसके हानिकारक प्रभाव 7. पर्यावरण प्रदूषण के नियंत्रण उपाय **गतिविधि** – क्षेत्र का दौरा, औद्योगिक क्षेत्र, चार्ट तैयार करना, मॉडल/पर्यावरण मुद्दों पर चर्चा।
इकाई–3	**वैश्विक पर्यावरण समस्याएँ –** 1. प्राचीन भारत में मौसम संबंधी मापदंडों का अवलोकन और मापन जैसे हवा, बादल, बिजली, गडगडाहट, बारिश, कृषि मौसम विज्ञान। 2. ग्लोबल वार्मिंग 3. अम्ल वर्षा 4. ग्रीनहाउस प्रभाव 5. ओजोन परत का क्षरण **गतिविधिः** चार्ट/मॉडल तैयार करना और असाइनमेंट तैयार करना।

Contd-------2

इकाई–4	**वैश्विक पर्यावरण समस्याएँ –** 1. प्राचीन भारत में पर्यावरण शिक्षा 2. वेदों, उपनिषदों और पुराणों में पर्यावरण अवधारणाएं 3. गुरूकुल प्रणाली में पर्यावरण शिक्षा 4. पर्यावरण शिक्षा की परिभाषा, दायरा और महत्व 5. जन जागरूकता की आवश्यकता 6. बहुविषयक दृष्टिकोण 8. पर्यावरण शिक्षा की आवश्यकता 9. स्थिरता और सतत विकास की अवधारणा **गतिविधिः** प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, चार्ट/मॉडल और असाइनमेंट तैयार करना।
इकाई–5	**राष्टीय एवं अंतराष्टीय पर्यावरण संगठन –** **राष्टीय पर्यावरण संगठन –** 1. पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी.) 2. केंद्रीय प्रदूषण नियंणत्र बोड (सीपीसीबी.) 3. राष्टीय हरित अधिकरण (एनजीटी.) 4. भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई.) 6. राष्टीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) 7. संयुक्त राष्ट पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी.) 8. जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल (आईपीसीसी.) 9. अंरातष्टीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन.) 10. विश्व वन्य जीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ.) 11. संयुक्त राष्ट शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को)
	संदर्भ ग्रंथ – 1. अरोडा, एस. फंडामेंटल्स ऑफ एनवाईनमेंटल बायोलॉजी, कल्याणी पब्लिशर्स 2. अस्थाना डी.के., एन. पर्यावरण, समस्याएं और समाधान, चांद एस. एंड कपनी लि. 3. बैरी, आर.जी., वायुमंडल, मौसल और जलवायु, रूटलेज प्रेस, यू.के. 4. गिलेस्पी, ए., जलवायु परिवर्तन ओजोन क्षरण और वायु प्रदूषण, नीति और विज्ञान संबंधी विचारों के साथ कानूनी टिप्पणियां, मार्टीन्स निजॉफ प्रकाशक 5. हार्डी. जे. टी. जलवायु परिवर्तन, कारण, प्रभाव और समाधान, जॉन विले एंड संस 6. हार्वे, डी., जलवायु और वैश्विक जलवायु परिवर्तन प्रेटिस हॉल 7. मनाहर, एस.ई., पर्यावरण रसायन विज्ञान। सी.आर.सी., प्रेस, टेलर और फ्रांसिस ग्रु 8. मास्लिन, एम. जलवपायु परिवर्तन, एक बहुत ही संक्षिप्त परिचय। ऑक्सफोर्ड प्रकाश 9. मैथेज, ईए. जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग का विज्ञान और हमारा उर्जा भविष्य, कोलंबिया यूनीवर्सिटी प्रेस, 10. मित्रा, ए.पी., शर्मा, एस, भट्टाचार्य, एस. गर्ग,, ए. देवोता, एस.और सेन, के. जलवायु परिवर्तन और भारत यूनिवर्सिटी प्रेस, भारत

.....

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:krl.extension@gmail.com, Website:http.www.kgrl.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

कक्षा : बी.ए./बी.एचएससी./बी.कॉम./बी.एससी. प्रथम वर्ष
विषय :– कौशल संवर्धन पाठ्यकम
सेमेस्टर – I

1. **पाठ्यकम का कोड –**
2. **पाठ्यकम का शीर्षक – व्यक्तित्व विकास**
3. **पाठ्यकम का प्रकार – कौशल संवर्धन**
4. **पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :–**
   1. विद्यार्थी सफल जीवन के लिए कौशल विकसित करपाएंगे।
   2. मानवीय मूल्यों के महत्व को समझेंगे।
   3. रोजगार के लिए मुख्य कौशल विकसित करे सकेंगे।
   4. प्रभावी संचार कौशल विकसित होगा।
   5. व्यक्तित्व विकास में प्रौद्योगिकी की भूमिका को समझेंगे।
5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 01+02=03 01 केडिट सैद्धांति, 02 प्रायोगिक**
6. **कुल अंक – 100+100=200 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35+35=70**
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– सैद्धांतिक–15 प्रायोगिक–30=45**

इकाई	विषय	Hrs.
इकाई–1	**भारतीय ज्ञान परंपरा और व्यक्तित्व –** 1. व्यक्तित्व – अर्थ, विशेषताएं एवं महत्व 2. मनीय मूल्यों एवं व्यक्तित्व विकास, सहानुभूति, करूणा एवं सेवाभाव 3. भारतीय ज्ञान परंपरा में व्यक्तित्व विकास के घटक **गतिविधि–** 1. किसी एक महापुरूष की जीवनी पर आधारित निर्दिष्ट आलेख रचना (पतंजली, वेदव्यास, गौतम बुद्ध, महावीर स्वमी, कबीरदास, गुरूनानकदेव) 2. व्यक्तित्व विकास के घटकों पर चार्ट बनाना।	10
इकाई–2	व्यक्तित्व विकास – 1. **व्यक्तित्व विकास के अभिकरण –** – पारिवारिक वातावरण: पालन शैली, पारिवारिक मूल्य एवं भावनात्मक समर्थन – मित्र/सहकर्मी समूह,: टीम भावना, आत्म छवि, सामाजिक सीख – औपचारिक शिक्षा: स्काउट एवं गाइड, रासेयो., एनसीसी., कीडा गतिविधि –व्यक्तित्व प्रयास एवं योगा: आत्मप्रेरणा, लक्ष्य निर्धारण, ध्यान एवं संतुलित स्वास्थ्य 2. व्यक्तित्व विकास के बाधक तत्व **गतिविधि–** 1. योग की विभिन्न मुद्राओं, चित्रमय प्रदर्शन प्रतिवेदन 2. व्यक्तित्व विकास के बाधक तत्वों पर समूह चर्चा एवं प्रतिवेदन प्रस्तुतिकरण	10

Contd...2

30.09.25

Contd------2

इकाई–3	**संचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास –** 1. संचार कौशलः अर्थ, विशेषता, प्रकार, महत्व 2. व्यक्तित्व विकास में संचार कौशल की भूमिका – मचीय आत्मविश्वास, स्वर, बॉडी लैग्वेज, स्वर संचालन **गतिविधि–** 1. महाविद्यालय में आयोजित किसी एक सांस्कृतिक एवं बौद्धिक कार्यक्रम का चित्रमय प्रतिवेदन प्रस्तुत करना।	10
इकाई	**व्यक्तित्व विकास प्रायोगिक –**	
	1. समीप स्थित किसी आंगनवाडी, शासकीय स्कूल, शासकीय प्राथमिक स्वास्थ केंद्र का सर्वेक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करना। 2. अपने परिवार का वंशावली वृक्ष बनाना एवं पारिवारिक परम्पराओं पर प्रतिवेदन लेखन। 3. समीप स्थित किसी एनजीओ., वृद्धाश्रम, चैरिटेबल अस्पताल, अनाथालय महिला थाना आदि का शैक्षणिक भ्रमण। इसकी कार्यप्रणाली को समझकर प्रतिवेदन प्रस्तुत करना। 4. महान व्यक्तियां के जीवन के प्रेरक प्रसंगों पर आधारित एक तयि परक लेख लिखना। कोई एक – स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, विनोबा भावे, एपीजे. अब्दुल कलाम, अहिलया बाई, टंट्या भील, लता मंगेशकर। 5. मानवीय मूल्यों पर आधारित कहानी लेखन, संवाद सहित। 6. स्थानीय ऐतिहासिक महत्व के स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करना।	
	संदर्भ ग्रंथ – 1. मार्डन, स्वेट, व्यक्तित्व विकास, आनंद पैर बैक्स 2. शर्मा, पी.के., व्यक्तित्व विकास, भारती श्री प्रकाशन 3. Andrews, Sudhir How to sucessed at Interviews , Tata McGraw Hill, New Delhi. 4. Covey, Stephen, The 7 habits of Highly effective people, NY free press. 5. Hindle, tim Reducing strees Essential Manager series, DK Publishing. 6. Lucas, Stephen, Art of public speaking, Tata McGraw hill, New Delhi. 7. Press S.J., Francis soft skills and professional communicatin, Tata McGraw Hill Educatin, New Delhi. 8. Sasmith, B. Body language, rohan Book Company, Delhi.	

.....

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

कक्षा : बी.ए./बी.एचएससी./बी.कॉम./बी.एससी. प्रथम वर्ष
विषय :– कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम
सेमेस्टर – I

1. **पाठ्यक्रम का कोड –**
2. **पाठ्यक्रम का शीर्षक – हस्तशिल्प**
3. **पाठ्यक्रम का प्रकार – कौशल संवर्धन**
4. **पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–**
   1. भारत की शिप्ल परम्पराओं से परिचित होंगे और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा।
   2. विभिन्न शिल्पों की सामग्री का प्रायोगिक ज्ञान प्रापत होगा।
   3. विभिन्न शिल्पों की प्रकिया और तकनीक को प्रायोगिक रूप से समझेंगे।
   4. भारत सरकार की योजना आत्मनिर्भर भारत में योगदान।
   5. शिल्प पुनरूद्धार और आय सृजन के लिए नए उत्पाद डिजाईन करना।
   6. विलोपित हस्तशिल्प संस्कृति का सृजनात्मकता के साथ संरक्षण और संवर्धन।
   7. शिल्प के अभिव्यंजक संचार और कार्यात्मक तरीकों में व्यावहारिक उपलब्धि के माध्यम से व्यक्तिगत पहचान और आत्मसम्मान की भाना विकसित होगी।
   8. भारत की सांस्कृतिक विरासत को पढकर प्रयोगात्मक रूप से व्यवहार में लायेंगे। भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत को विद्यार्थियों द्वारा सीखकर प्रयोग में लाने से कला रूपों का संरक्षण होगा।
5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 01+02=03 01 केडिट सैद्धांति, 02 प्रायोगिक**
6. **कुल अंक – 100+100=200 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35+35=70**
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– सैद्धांतिक–15 प्रायोगिक–30=45**

इकाई	विषय	Hrs.
इकाई–1	**भारत की शिल्प परम्परा :** **परिचय** - शिल्प परंपराएँ प्राचीन से आधुनिक समय तक विभिन्न शिल्पों का ऐतिहासिक अवलोकन विभिन्न संस्कृतियों और समाजों में शिल्प की भूमिका को समझना – 1.1 मध्य प्रदेश में हस्तशिल्प की भूमिका हस्तशिल्प सामग्री, उत्पाद और प्रक्रिया। विभिन्न शिल्पों में प्रयुक्त पारंपरिक तरीकों और तकनीकों की खोज, अवशोषण सुखाने की क्षमता, हस्तशिल्प की प्रक्रिया और तरीके, फैशन उद्योग। कच्चा माल रंग, बुश कपड़ा, कांच, धातु के साथ काम करने की तकनीक, नकड़ी का काम, मिट्टी के बर्तन । 1.2 हस्तशिल्प तकनीक (रंगाई, छपाई और पेंटिंग)। गतिविधि: कक्षा में पारंपरिक हस्तशिल्प के बारे में चर्चा जो वर्तमान में भारत या मध्य प्रदेश में उपयोग में नहीं हैं और हस्तशिल्प छात्र द्वारा समाज में किसी अन्य शिक्षार्थी को सिखाएं। Introduction – Craft traditions -historical overview of various crafts ancient to modern times understanding the role of craft in different culture and societies 1.1 Roll of Handicraft in Madhya Pradesh Handicraft material, products and process. Exploring traditional methods and techniques used in various crafts absorption drying capacity, process and methods of handicraft, fashion industry. Raw material- colour, brushes cloth, mirror, technique for working with metal, woodworking, pottery. 1.2 Handicraft techniques (Dyeing, Printing and Painting). Activity: Discussion about traditional handicrafts in class room which are not in use currently in India OR Madhya Pradesh and teach anyone other learner in society by handicraft student.	10

Contd...2

काई–2	**मध्यप्रदेश के हस्तशिल्पः-** १. अभिप्राय आधारित मध्यप्रदेश के हस्तशिल्प १.१ महेश्वरी अभिप्राय १.२ चंदेरी अभिप्राय १.३ बाघ अभिप्राय **२. रंगाई, छपाई और चित्रकारी भारत का हस्तशिल्प** २.१ बाघ (ब्लॉक् प्रिंट) २.२ भैरवगढ़ (छीपा प्रिंट) २.३ दाबू प्रिंट २.४ बंधेज/बांधनी (टाई एंड डाई) २.५ मधुबनी २.६ कलमकार गतिविधिः मधुबनी लोककला की विभाग में कार्यशाला आयोजित की जाए।	10
	Handicrafts of Madhya Pradesh. 1. Motif based Handicrafts of Madhya Pradesh. 1.1 Maheshwari Motifs. 1.2 Chanderi Motifs. 1.3 Bagh Motifs. **2. Dyed, Printed and Painted Handicraft of India** 2.1 Bagh (Block print). 2.2 Bherugarh (Batik) Chhipa Art. 2.3 Dabu print. 2.4 Bandhej / Bandhani (Tie and Die). 2.5 Madhubani. 2.6 Kalamkari. Activity: Organise a workshop in department on Madhubani art.	
इकाई–3	**मध्यप्रदेश की हस्तशिल्प परंपराः-** ३.१ कंधी शिल्प (उज्जैन, रतलाम और नीमच) ३.२ टेराकोटा शिल्प (मंडला, अलीराजपुर, बैतूल, झाबुआ, जबलपुर) ३.३ सुपारी शिल्प (रीवा) ३.४ पत्थर शिल्प (बैतूल, झाबुआ, मंडला रतलाम मंदसौर, जबलपुर) ३.५ गुड़िया शिल्प (ग्वालियर, झाबुआ) ३.६ बांस / लकड़ी शिल्प (मंडला, शहडोल, सिवनी, जबलपुर) ३.७ चमडा शिल्प (देवास, इंदौर, ग्वालियर) ३.८ मिट्टी शिल्प (झाबुआ, मंडला, बैतूल) गतिविधिः स्टोन क्राफ्ट डिजाइन तैयार करवाना।	10
	Handicraft traditions of Madhya Pradsh. - 3.1 Comb Craft(Ujjain, Ratlam, Neemuch). 3.2 Terracotta (Mandla, Alirajpur, Betul, Jhabua). 3.3 Betel Nut Craft (Rewa). 3.4 Stone Craft (Jhabua, Mandla, Betul, Ratlam, Mandsaur Jabalpur). 3.5 Doll craft (Gwalior, Jhabua). 3.6 Bamboo/ Wooden craft (Mandla, Shahdol, Seoni Jabalpur). 3.7 Leather craft (Dewas, Indore, Gwalior). 3.8 Clay Crafts (Jhabua, Mandla, Betul) **Activity: Getting stone craft designs made.**	

Contd----3

संदर्भ ग्रंथ –

1. उपासना मिश्र – मधुबनी डिजाईन आईडिया, बी.एफ.सी. पब्लिकेशन – 2021
2. स्वाति मिश्रा– हैंडलूम और हेंडीक्रॉफ्ट ऑफ मध्यप्रदेश एइचेर गुड ऑफ प्रा.लि. – 2016
3. आशी मनोहर शम्पा शाह – ट्राइबल आर्ट्स एंड काफ्ट ऑफ मध्यप्रदेश मपिन पब्लिकेशन – 1996
4. चट्टोपाध्याय के.हेंडीक्राफ्ट एंड ट्रेडिशनल आर्ट ऑफ इंडिया, तारापोरेवाला संस एंड सी.ओ. प्रा. लि., मुंबई – 1960
5. सराफ डी. एन.– इंडियन क्राफ्ट विकास पब्लिशिंग हाउस, प्रा. लि. – 1982
6. मध्यप्रदेश के मिट्टी शिल्प क्षरा बसंत निरगुडे–मध्यप्रदेश आदिवासी लोककला परिषद, संस्कृति भवन भोपाल – 1993

संदर्भ: 1- सिंधु घाटी सभ्यता, जो लगभग 3,000 ईसा पूर्व में फली-फूली। वैदिक युग के दौरान भारतीय शिल्प में एक बड़ा विकास हुआ और कपड़ा, पत्थर, धातु, चित्रकला, मिट्टी के बर्तन और लकड़ी के क्षेत्र में आगे बढ़ना जारी रहा।

2- गुप्त युग (320-647 ई.) में पत्थर की नक्काशी, बुनाई, लकड़ी की नक्काशी, मूर्तिकला और आभूषण बनाने में बहुत कौशल देखा गया।

प्रायोगिक –

1. रंगाई, छपाई और चित्रकारी तकनीक द्वारा निम्नलिखित नमूने तैयार करना • टाई एण्ड ढाई, • बाटिक • ब्लॉक प्रिंट्स • मधुबनी • कलमकारी (10X10" की शीट के कपडे पर कोई दो नमूने तैयार करना)	06
2. मध्यप्रदेश के हस्तशिल्प के किन्ही दो नमूनों को संस्थान की सुविधानुसार तैयार करना। सैद्धांतिक प्रश्न पत्र के 3–1 से 3–8 के अनुसार।	06
3. निम्नलिखित मध्यप्रदेश के परंपरागत शिल्प के अभिप्रायों के नमूने तैयार करना 1. महेश्वरी मोटिफ 2. चंदेरी मोटिफ 3. छीपा प्रिंट मोटिफ 4. बाघ प्रिंट मोटिफ (10X10" की शीट पर कोई एक परंपरा मोटिक तैयार करना)	06
4- उत्पाद विकास – परंपरागत तकनीक से हस्तशिल्प उत्पाद तैयार करना जिन्हे सैद्धांतिक प्रश्नपत्र में पढा गया है। (कोई भी दो उत्पाद)	06
5. प्रदर्शनी सहबिकी के अनुसार उत्पाद तैयार करके महाविद्यालय आधार पर या किसी उचित स्थान पर बिकी हेतु प्रचार प्रसार गतिविधियां तैयार करना।	06

.....

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर

(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
E-mail:krl.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065

स्थापना वर्ष:1963

// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

कक्षा : बी.ए./बी.एचएससी./बी.कॉम./बी.एससी. प्रथम वर्ष
विषय :– कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम
सेमेस्टर – I

1. पाठ्यक्रम का कोड –
2. पाठ्यक्रम का शीर्षक – वर्मी कम्पोस्ट की मूल बातें
3. पाठ्यक्रम का प्रकार – कौशल संवर्धन
4. पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–
   1. इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थी में निम्न क्षमता विकसित होगी –
   2. केंचुआ खाद बनाने की तकनीक समझ सकेंगे।
   3. रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।
   4. मृदा स्वास्थ्य उत्तम बना सकेंगे।
   5. हरित अपशिष्ट प्रबंधन पर कार्य कर सकेंगे।
5. क्रेडिट मान – सैद्धांतिक – 02+01=03 02 क्रेडिट सैद्धांति, 01 प्रायोगिक
6. कुल अंक – 100+100=200 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35+35=70
7. व्याख्यान की कुल अवधि– सैद्धांतिक–30 प्रायोगिक–15=45

इकाई	विषय	Hrs.
इकाई–1	1. वर्मी कम्पोस्ट की अवधारणा – 1.1 वर्मीकम्पोस्ट का परिचय, विस्तार एवं महत्व 1.2 वर्मीकम्पोस्टिंग का इतिहास, प्राचीन जडें तथा आधुनिक विधियां 1.3 तीव्रता से केंचुआ खाद बनाने वाले केंचुओं की पहचान तथा सामान्य केंचुओं का जीवन विज्ञान **गतिविधि** – 1. वर्षाकाल में स्थानीय केंचुए की प्रजातियों का सर्वेक्षण 2. वर्मीकम्पोस्टिंग इकाईयों का अध्ययन करने के लिए स्थानीय भ्रमण	10
इकाई–2	1. वर्मीकम्पोस्ट की तकनीक – 1.1 कम्पोस्टिंग बेड या पिट तैयार करना 1.2 केंचुओं को प्रविष्ट कराना 1.3 कम्पोस्टिंग इकाई का रख–रखाव गतिविधि– 1. अपने निवास अथवा संस्थान में एक लघु अथवा दीर्घ वर्मीकम्पोस्टिंग इकाई स्थापित करना। 2. वर्मीकम्पोस्टिंग इकाई का रख–रखाव।	10
इकाई–3	एकत्रण विधियां – 1.1 वर्मीकम्पोस्ट का एकत्रण, पैकिंग, भंडारण तथा विकय 1.2 वर्मीवाश एकत्रण तथा उसके उपयोग 1.3 केंचुओं को केंचुआ खाद इकाई से अलग करना तथा उनका संरक्षण करना। पुनः उपयोग तथा विकय करना। गतिविधि– 1. किसी पौधें पर वर्मीवाश का उपयोग करके उसके प्रभाव का अवलोकन करना। 2. वर्मीकम्पोस्ट के लिये व्यापारिक योजना तैयार करना।	10

Contd--------2

Contd-------2

	वर्मीकम्पोस्अ प्रायोगिक –
	1. वर्मीकम्पोस्ट की विभिन्न प्रजातियों का सर्वेक्षण, पहचान तथा वर्गीकरण। 2. वर्मीकम्पोस्ट का भौतिक, रासायनिक विश्लेषण। 3. वर्मीवाश का विश्लेषण करके उसका पोषक मान ज्ञात करना। 4. केंचुआ में पाई जाने वाली बीमारियों तथा कीटों का अध्ययन। 5. केंचुए में पाई जाने वाली बीमारियों तथा कीटों का नियंत्रण करना। 6. वर्मीकम्पोस्ट तथा वर्मीवाश का विभिन्न पौधों पर प्रभाव 7. आपकी संस्था में एक वर्मीकम्पोस्ट इकाई स्थापित करना। 8. आपके निवास स्थान अथवा, कृषि भूमि पर एक छोटी अथवा बडी चलायम वर्मीकम्पोस्टिंग इकाई की स्थापना करना। 9. किसी वर्मीकम्पोस्ट इकाई का भ्रमण करकेक उस पर एक रिपोर्ट तैयारक करना। 10. वर्मीकम्पोस्ट पर एक लघु अथवा दीर्घ व्यापारिक योजना तैयार करना।
	संदर्भ ग्रंथ – 1. डिके अरूण, वर्मीकल्चर बायोटेक्नोजॉजी, एजुकेशन एण्ड काफ्ट, इंदौर 2. तवस्सुम शाहीन एवं कृष्णचंद्र, केंचुआ खाद, श्री हरिभजन प्रकाशन 3. Singh, Keshav, A. textbook of Vermicompost, Vermiwash and Biopesticide, Biotec Books. 4. EIRI Board, The Handbook of organic farming and organic foods with vermicompstin Neem publishers, Engineers India research institute. 5. Seethalekshamy, M. and Santhi, R. Vermitechnology. Saras publications 6. Petern, Devies, Vermiclture and Vermicomposting. Peter Daview , Kindle Edition. 7. Badwork, V. Text book on Vermiculture and Vermicomposting, Bhumi Publication.

.....

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:krl.extension@gmail.com, Website:http.www.kgrl.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

कक्षा : बी. ए. प्रथम वर्ष
विषय :– समाजशास्त्र
सेमेस्टर – I

1. **पाठ्यक्रम का कोड – C-1**
2. **पाठ्यक्रम का शीर्षक – समाजशास्त्र की मूल अवधारणाएं**
3. **पाठ्यक्रम का प्रकार – मेजर**
4. **पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–**
   1. समाजशास्त्र की सभी मूल अवधारणाओं को सम्मिलित करते हुए पाठ्यक्रम की रचना की गयी है जो कि विद्यार्थियों को सामाजिक घटनाओं को समझने एवं वैज्ञानिक तरीके से विश्लेषण करने योग्य बनाता है। समाजशास्त्रीय अवधारणाओं का अध्ययन विद्यार्थियों को समाज के बारे में बेहतर समझ से युक्त करता है।
   2. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य एवं वर्तमान भारत में उसके महत्व को जान सकेंगे। विद्यार्थी भारतीय शास्त्रीय पाठ्यों में वर्णित सामाजिक दर्शन से परिचित हो सकेंगे।
   3. यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को एक विषय के रूप में समाजशास्त्र तथा भारत में इसके विकास की जानकारी देता है।
   4. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों जैसे सामाजिक, नीति कल्याण एवं एनजी.ओ. इत्यादि में समाज विज्ञान विशेषज्ञ के रूप में कैरियर अवसरों को तलाश सकेंगे।
   5. समाजशास्त्र की प्राथमिक अवधारणाओं का व्यवस्थित अध्ययन विद्यार्थियों में वास्तविक जीवन की परिस्थितियों के सामाजिक प्रघटनाओं के बारे में विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक सोच को विकसित करता है।
   6. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी व्यक्ति एवं समाज के मध्य संबंध को समझने में सक्षम होंगे।
   7. यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सामाजिक संरचना एवं सामाजिक व्यवस्थाओं के विभिन्न स्वरूपों को समझ सकेंगे।
5. **क्रेडिट मान – सैद्धांतिक – 06**
6. **कुल अंक – 30+70=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35**
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 90 घंटे**

इकाई	विषय
इकाई–1	**सामाजिक संरचना एवं व्यवस्था (अर्थ, विशेषताएं, प्रकार एवं आधार) –** 1. समाज की भारतीय अवधारणा : त्रिस्तरीय सामाजिक संरचना, आरण्यक ग्राम्य एवं नागर (नगरीय) 2. सामाजिक व्यवस्था
इकाई–2	**भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित सामाजिक चिन्तन –** 1. भारतीय दर्शन में सामाजिक चिन्तन के मूल तत्व – 1.1 एकात्मबोध 1.2 स्वधर्म 1.3 समाजिक समरसता 1.4 सामुदायिकता
इकाई–3	**समाजशास्त्र का परिचय –** 1. समाजशास्त्र : अर्थ, परिभाषा, प्रकृति, विषयक्षेत्र एवं महतव 2. समाजशास्त्र की उत्पत्ति समाजशास्त्र का विकास (भारत के संदर्भ में) 3. समाजशास्त्र एवं व्यवसाय
इकाई–4	**समाजशास्त्रीय अवधारणाएं (अर्थ, विशेषताएं, प्रकार, अंतर) –** 1. समाज एवं समुदाय 2. समिति एवं संस्था 3. सामाजिक समूह
इकाई–5	**संस्कृति एवं मूल्य प्रतिमान –** 1. संस्कृति : अर्थ, विशेषताएं, प्रकार, उपादान 2. सांस्कृतिक विलम्बना की अवधारणा 3. संस्कृति एवं सभ्यता 4. सामाजिक आदर्श मूल्य एवं प्रतिमान

Contd------2

संदर्भ ग्रंथ –

1. आहूजा राम, आहूजा मुकेश, समाजशास्त्र विवेचन एवं परिप्रेक्ष्य, रावत पब्लिकेशन, जयपुर
2. भदौरिया एस.एस., पाटिल अशोक, समाजशास्त्र की प्राथमिक अवधारणाएं, म. प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
3. दीक्षित, ध्रुव कुमार, समाजशास्त्र की बुनियादी अवधारणाओं का परिचय, आगरा बुक इंटरनेशनल, आगरा
4. गुप्ता बजरंग लाल, भाला लक्ष्मी नारायण, विवेकानंद के सपनों का भारत प्रभात पब्लिकेशन, दिल्ली
5. कृष्ण गोपाल, भारत की संत परंपरा और सामाजिक समरसता, म.प्र.हि.ग्र.अ.,भोपाल
6. खन्ने पी.पी. धर्मशास्त्र का इतिहास
7. मोदी, नरेंद्र, सकवाना किशोर सामाजिक समरसता, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
8. नागला, बी.के., समाजशास्त्र एक परिचय, हरियाणा हिंदी ग्रंथ अकामदी
9. सिंह, जे. पी., समाजशास्त्र के मूल तत्व, पीएचआई लर्निंग पब्लिकेशन
10. शर्मा, आचार्य, श्रीराम, गृह्य सूत्र, संस्कृति संस्थान, बरेली, उत्तर प्रदेश
11. त्रिवेदी, डॉ. राजेंद्र कुमार, उपनिषद कालीन समाज एवं संस्कृति, परिमल पब्लिकेशन नई दिल्ली

.....

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष 1983
E-mail:krl.extension@gmail.com, Website:http www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

कक्षा : बी. ए. प्रथम वर्ष
विषय :– समाजशास्त्र
सेमेस्टर – I

1. **पाठ्यक्रम का कोड – M-1**
2. **पाठ्यक्रम का शीर्षक – समाजशास्त्र का परिचय**
3. **पाठ्यक्रम का प्रकार – माइनर**
4. **पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–**
   1. विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा के सामाजिक चिंतन एवं सामाजिक दर्शन की मूलभूत मान्यताओं से परिचित होंग।
   2. विद्यार्थी समाजशास्त्र की अवधारणा तथा एक विषय के रूप में उसके उद्भव एवं विकास को जान सकेंगे।
   3. विद्यार्थी समाजशास्त्र की प्राथमिक अवधारणाओं, उनकी संरचना एवं स्वरूप को समझ सकेंगे।
   4. विद्यार्थी सामाजिक समूह, सामाजिक व्यवस्था, प्रस्थिति एवं भूमिका की प्रकृति एवं विविध आयामों से परिचत होंगें
   5. विद्यार्थी सामाजिक समीकरण एवं सामाजिक वर्ग संरचना के अंतसंबंध एवं स्वरूपों को समझ सकेंगे।
5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 04**
6. **कुल अंक – 30+70=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35**
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 60 घंटे**

इकाई	विषय
इकाई–1	**भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित सामाजिक चिन्तन –** 1. भारतीय दर्शन में ऋण की संकल्पना 2. स्वधर्म तथा कर्म की संकल्पना 3. पुरूषार्थ की अवधारणा
इकाई–2	**समाजशास्त्र का परिचय –** 1. समाजशास्त्र, अर्थ, प्रकृति, विषय क्षेत्र 2. समाजशास्त्र की उत्पत्ति, समाजशास्त्र का विकास (भारत के विशेष संदर्भ में) 3. समाजशास्त्र का महत्व
इकाई–3	**मूल अवधारणाएं– अर्थ, विशेषता, प्रकार एवं अंतर –** 1. समाज एवं समुदाय 2. समिति एवं संस्था 3. सामाजिक संरचना एवं प्रकार्य
इकाई–4	**मूल अवधारणाएं – अर्थ, विशेषता, प्रकार, महत्व –** 1. सामाजिक समूह, प्राथमिक एवं द्वितीय समूह 2. प्रस्थिति एवं भूमिका 3. सामाजिक व्यवस्था
इकाई–5	**समाजिक स्तरीकरण एवं गतिशीलता –** 1. सामाजिक स्तरीकरण: का अर्थ एवं विशेषताएं, आधार 2. भारत में सामाजिक वर्ग, कृषक, औद्योगिक एवं मध्यम वर्ग 3. सामाजिक गतिशीलता: अर्थ, विशेषताएं, प्रकार, कारक
	संदर्भ ग्रंथ – 1. अटल, योगेश, समाजशास्त्र की समझ पियर्सन, नई दिल्ली 2. भदौरिया एवं पाटिल अशोक, समाजशास्त्र की प्राथमिक अवधारणाएं, म. प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल 3. धर्मपाल, भारत का स्वधर्म, बाग देवी प्रकाशन, बीकानेर 4. दिनकर, रामधारी सिंह, संस्कृति के चार अध्याय, लोक भारती प्रकाशन, दिल्ली 5. दीक्षित, ध्रुव कुमार, समाजशास्त्र की बुनियादी अवधारणाओं का परिचय, आगरा बुक इंटरनेशनल, आगरा 6. खत्री, अर्जुनदास, धर्म, संस्कृति, समाज और राष्ट्र, इंदिरा पब्लिकेशन हाउस,भोपाल 7. परिमल, बीकर, समाजशास्त्र, जवाहर पब्लिशर्स, नई दिल्ली 8. सिंधी, नरेंद्र कुमार गोस्वामी, वसुधारा, समाजशास्त्र विवेचना, राजस्थान हि.ग्र.अका. 9. सिंह जे.पी., समाजशास्त्र अवधारणाएं एवं सिद्धांत, पीएचआई.लर्निंग प्रा.लि.,दिल्ली 10. तिलक, बाल गंगाधर, गीता रहस्य, डायमण्ड बुक्स, नई दिल्ली 11. उपाध्याय, बलदेव, वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, शारदा संस्थान, वाराणसी

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065
स्थापना वर्ष:1963
// शैक्षणिक सत्रः 2025–26 //

कक्षा : बी. ए. प्रथम वर्ष
विषय :– राजनीति विज्ञान
सेमेस्टर – I

1. **पाठ्यक्रम का कोड –**
2. **पाठ्यक्रम का शीर्षक – राजनीतिक सिद्धांत**
3. **पाठ्यक्रम का प्रकार – मेजर**
4. **पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–**
   1. इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी राजनीतिक सिद्धांत का अर्थ एवं महत्व, विभिन्न विचारधाराओं और उपागमों को समझने में सक्षम होंगे।
   2. राजनीतिक सिद्धांत के भारतीय प्ररिप्रेक्ष्य को समझने में सक्षम होंगे।
   3. वे राज्य की अवधारणा और उसके भारतीय परिप्रेक्ष्य को समझने में सक्षम होंगे।
   4. शक्ति,सत्ता एवं ये दोनों अवधारणाएं परस्पर कैसे जुडी हुई है, को समझ सकेंगे। वे वसुधेव कुटुम्बकं ओर एकात्म मानववाद की अवधारणा को समझेंगे।
5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 06**
6. **कुल अंक – 30+70=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35**
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 90 घंटे**

इकाई	विषय
इकाई–1	**राजनीतिक सिद्धांत का बोध –** 1. राजनीति विज्ञान की परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र 2. राजनीतिक सिद्धांतः अर्थ एवं महत्व 3. राजनीति के अध्ययन के दृष्टिकोण 4. राजनीति विज्ञान से जुडे विभिन्न शब्द – राजनीत विज्ञान, राजनीतिक दर्शन, राजनीतिक सिद्धांत, राजनीतिक विचार एवं राजनीति। 5. विधारधाराओं का परिचयः उदारवाद, समाजवाद, नारीवाद और पर्यावरणवाद। 6. राजनीतिक सिद्धांत का भारतीय परिप्रेक्ष्य। **गतिविधि–** 1. वाद–विवाद / चर्चाः विद्यार्थियों को समूहों में विभाजित करं और उनसे राजनीति विज्ञान की प्रकृति पर बहस करवाएं िकवह विज्ञान है, कला है या दोनों का मिश्रण है।
इकाई–2	**राज्य की अवधारणा –** 1. राज्य को परिभाषित करना, राज्य के तत्व 2. राज्य की उत्पत्ति के सिद्धांत, राज्य की उत्पत्ति के संबंध में भारतीय दृष्टिकोण, राज्य का सप्तांग सिद्धांत 3. प्राचीन भारत में गणतांत्रिक सिद्धांत, लोककल्याणकारी राज्य की अवधारणा, सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय। **गतिविधि –** 1.रोल प्ले / मॉक वाद–विवाद : एक मॉक वाद–विवाद का आयोजन करें जिसमें विद्यार्थी राज्य की उत्पत्ति के विभिन्न सिद्धांतों का प्रतिनिधित्व करें और राज्यम की उत्पत्ति की व्याख्या करने में अपने सिद्धांत की प्रासंगिकता के लिए तर्क दें। 2. शोध परियोजना – विद्यार्थियों को प्राचीन भारतीय गणराज्यों में पाए जाने वाले गणतंत्रीय सिद्धांतों पर शोध करने और इन राज्यों के संगठन, नागरिकों की भूमिका और नेतृत्व प्रणालियों पर प्रस्तुति देने का काम सौंपे।

Contd------2

24/09/25 डॉ. वंदना चौहान
15/09/25
DR. A. Dayma 24/9/25

इकाई–3	राज्य व्यवस्था, सम्प्रभुता, वसुधैव कुटुम्बकं, की अवधारणा एवं दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद का सैद्धांतिक पक्ष। **गतिविधि** – 1. इंटरएक्टिव क्विज या मैचिंग गैमः एक इंटरएक्टिव क्विज या मैचिंग गेम बनाएं, जहाँ विद्यार्थी शक्ति, अधिकार और संप्रभुता जैसे शब्दों को उनकी परिभाषाओं और वास्तविक दुनिया के उदाहरणों से मिलाएं। 2. क्रिएटिव पोस्टर/इन्फोग्राफिकः विद्यार्थी ऐसे पोस्टर या इन्फोग्राफिक डिजाइन कर सकते हैं, जो वसुधैव कुटुम्बकं के प्रमुख सिद्धांतां को प्रदर्शित करते हैं।
इकाई–4	**मूल राजनीतिक अवधारणाएं** – 1. स्वतंत्रता 2. समानता 3. न्याय 4. अधिकार 5. भारतीय चिंतन में सामाजिक न्याय, सामाजिक समरसता एवं कार्य सिद्धांत **गतिविधि** – 1. स्वतंत्रता बनाम समानता पर वाद–विवाद, स्वतंत्रता और समानता के बीच संतुलन पर वाद–विवाद का आयोजन करना। 2. कर्म सिद्धांत भूमिका खेल : विद्यार्थियों से ऐसे पात्रों की भूमिका निभाने के लिए कहें जो कर्म सिद्धांत को मूर्त रूप देते हैं, जहां उन्हें अपने कर्तव्यों जैसे– एक शिक्षक, एक नेता, एक कार्यकता। के आधार पर नैतिक निर्णन लेने होते है।
इकाई–5	**लोकतंत्र का विचार** – 1. लोकतंत्र का अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार 2. प्राचीन भारतीय राजव्यवस्था में शासन के लोकतांत्रिक तत्व 3. भारत की प्रमुख राज्यव्यवस्था, वैदिक काल, उत्तर वैदिक काल एवं गणतांत्रिक परम्पराएं 4. लोकतंत्र का प्रक्रियात्मक एवं तात्विक स्वरूप **गतिविधि**– समूह अनुसंधान और प्रस्तुति, प्रत्येक समूह को लोकतंत्र का एक प्रकार सौंपे। प्रत्येक समूह अपने लोकतंत्र के प्रकार पर शोध करेगा और प्रस्तुत करेगा। इसकी विशेषताओं, लाभों और दुनिया भर के उदाहरणों को समझायेगा।
	संदर्भ ग्रंथ – 1. जायसवाल, काशी प्रसाद, हिन्दू पॉलिटी 2. भार्गव, राजीव एवं आचार्य ए., राजनीति सिद्धांत : एक परिचय, पीयर्सन इंडिया, नई दिल्ली 3. गबा, ओम प्रकाश, राजनीति सिद्धांत की रूपरेखा, नेशनल पब्लिशिंक हाउस, दिल्ली 4. जैन पुखराज, राजनीति विज्ञान, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा। 5. जैन, पुखराज, राजनीतिक सिद्धांत, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा 6. डॉ.उत्तम सिंह चौहान, समसामयिक राजनीतिक सिद्धांत, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी

Dr. A. Dayma 24/9/25

15/09/25

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

स्थापना वर्ष:1963

कक्षा : बी. ए. प्रथम वर्ष
विषय :– राजनीति विज्ञान
सेमेस्टर – I

1. पाठ्यक्रम का कोड – M1
2. पाठ्यक्रम का शीर्षक – भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन
3. पाठ्यक्रम का प्रकार – माइनर
4. पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–
   1. विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद भारत में राष्ट्रीय आंदोलन केक उदय और विकास को समझने में सक्षम होंगे।
   2. विद्यार्थी यह उत्तर देने में सक्षम होंगे कि सामाजिक, धार्मिक, आंदोलन में राष्ट्रीय चेतना को कैसे प्रभावित किया जाये।
   3. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और इसके विभिन्न चरणों से जुडे प्रश्नों का उत्तर देने में सक्षम होंगे।
   4. अन्य महत्वपूर्ण आंदोलनों और उनकी भूमिका की पहचानने में सक्षम होंगे।
   5. शक्ति के हस्तांतरण के दौरान हुई घटनाओं को समझने में सक्षम होंगे।
5. केडिट मान – सैद्धांतिक – 04
6. कुल अंक – 30+70=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35
7. व्याख्यान की कुल अवधि– 60 घंटे

इकाई	विषय
इकाई–1	**भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन की पृष्ठभूमि –** 1. 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 2. भारतीय पुनर्जागरण के दार्शनिक एवं वैचारिक आधार – 19वीं शताब्दी के प्रमुख सामाजिक एवं धार्मिक आंदोलन – राष्ट्रीय चेतना विकास 3. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का उद्भव, नरम दल एवं गरम दल **गतिविधियां–** 1. रोल प्ले/नाटक : एक रोल प्ले या स्किट का आयोजन करें जिसमें विद्यार्थी भारतीय स्वतंत्रता के प्रथम युद्ध की प्रमुख घटनाओं का अभिनय करें। 2. सुधारवादी नेताओं की भूमिका निभाना, विद्यार्थियों से राममोहन राय या स्वामी विवेकानंद जैसे एतिहासिक महापुरुषों की भूमिका निभाने के लिए कहें। इसमें महिला अधिकार, शिक्षा और सामाजिक सुधार जैसे मुद्दों पर अपने संबंधित सुधारकों के विचार प्रस्तुत करने चाहिये।
इकाई–2	**गांधी एवं राष्ट्रीय आंदोलन –** 1. गांधी एवं जन आंदोलन 2. असहयोग आंदोलन 3. सविनय अवज्ञा आंदोलन 4. भारत छोडो आंदोलन **गतिविधियां–** 1. इंटरएक्टिव टाईमलाइन निर्माण : विद्यार्थियों से चंपारण, खेडा, नमक मार्च और भारत छोडो आंदोलन सहित गांधी के प्रमुख जन आंदोलनों की टाइमलाइन बनाने के लिए कहें और विश्लेषण करें कि इन आंदोलनों ने भारत की राष्ट्रीय चेतना और एकता को कैसे प्रभावित किया। 2. नमक मार्च की भूमिका निभाएं – नमक मार्च (दांडी मार्च) को फिर से दोहराएं, जिसमें विद्यार्थी गांधी और उनके अनुयायियों की भूमिका निभाएं और नमक कर का विरोध करने के लिए दांडी तक मार्च करें। विद्यार्थी ब्रिटिश सत्ता को चुनौती देने और जनता को संगठित करने में सविनय अवज्ञा के इस शांतिपूर्ण कार्य के महत्व पर चर्चा कर सकते हैं।

Contd-----2

डॉ. वंदना चौहान

Dr. A. Dayma 24/9/25

15/09/25

... परिभाषा, विशेषताएं और इसकी भूमिका।

7. स्टार्टअप इंडिया, मे इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत @247, डिजिटल इंडिया मिशन।

गतिविधियां– संबंधित विषयों पर समूह चर्चा एवं विवेचना। संबंधित विषयों पर विवेचना।

Contd------2

इकाई–3	**अन्य महत्वपूर्ण आंदोलन एवं संघर्ष –** 1. क्रांतिकारी आंदोलन का उदय एवं विकास 2. किसान एवं मजदूरों के आंदोलन 3. सन्यासी प्रतिरोध 4. आजाद हिंद फौज (आई.एन.ए.) 5. राष्ट्रनिष्ठ समूह **गतिविधियां**–1. कांतिकारी नेताओं की भूमिका निभाना : एक भूमिका निभाने वाली गतिविधि क आयोजन करें, जहां विद्यार्थी प्रमुख कांतिकारी नेताओं की भूमिकाएं निभाएं। विद्यार्थी कांतिका आंदोलन की उनकी प्रेरणाओं, विचारधाराओं और लक्ष्यों पर चर्चा कर सकते हैं। 2. सन्यासी प्रतिरोध पर प्रस्तुतिः विद्यार्थीयों से सन्यासी प्रतिरोध पर शोध करने के लिए कहें ज ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ शुरूआती प्रतिरोधों में से एक था।
इकाई–4	**स्वतंत्रता की और –** 1. भारत में इस्लामिक सांप्रदायिकता का विकास एवं उत्तरदायी कारण 2. द्वितीय विश्व युद्ध एवं बदलता विश्व परिदृश्य 3. क्रिप्स मिशन एवं केबिनेट मिशन प्लान 4. भारत का भिाजन एवं इसके परिणाम 5. भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 **गतिविधियां** – 1. मॉक केबिनेट मिशन चर्चा : एक मॉक कैबिनेट मिशन सत्र आयोजित क जहां विद्यार्थी ब्रिटिश कैबिनेट के सदस्यों और भारतीय नेताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। स्वशासन, प्रांतीय स्वायत्ता और भारत के भविष्य से संबंधित संवैधानिक मुद्दों पर चर्चा करें। 2. भारत के स्वतंत्रता संग्राम पर निबंध लेखनः विद्यार्थियों से भारत की स्वतंत्रता के लिए प्रेरि करने वाली राजनीतिक घटनाओं पर एक निबंध लिखने के लिए कहें, जिसमें क्रिप्स मिशन केबिनेट मिशन, योजना विभाग और भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम जैसी घटनाओं पर ध्या केंद्रित किया गया हो। विद्यार्थियों को इस बात पर विचार करना चाहिए कि इन घटनाओं ने स्वतंत्रता के बाद केक भारत को कैसे आकार दिया।
	संदर्भ ग्रंथ – 1. Agrwal R.C., Constitutional Development and National Movement of India, S. Chand & co., New Delhi. 2. Bandyopadhyay, Shekhar, National Movement in India. , Oxford University Press. New Delhi. 3. Chandra, B. and et. Al, India, struggle for Independence, penguin New Delhi. 4. Chandra, B., Indian National Movement, The Long, Term Dynamnicws, Vikas Publishing New Delhi. 5. Chandra, B., Dey. V. and Tripathi, A freedom struggle, National book Trust, New Delhi. 6. R.K. Sharma, History of Indian National movement, Sonali Publications 7. S. Bandopadhyay, From Plasey to partion, Orient Longmap, New Delhi. 8. Sharma, L.P., Indian National Movement, Laxmi Narayan Publicationa, Agra. 9. Shrivastav, P.N. History of Freedom Struggle of India.

....

Manisha 15 Sep 2025 15/09/25

DR. A. Dayma 24/9/25

Governed by Kasturba Gandhi National Memorial Trust
Kasturbagram Rural Institute
Kasturbagram, Indore (M.P.) - 452020
An Autonomous Women's College, Affiliated to Devi Ahilya University, Indore
Estb. 1963

Syllabus – B.A. Ist Year – Academic Session 2025-26
(Under NEP 2020 & As per Ordinance 14-1)

B.A. SEMESTER I

SUBJECT – RURAL DEVELOPMENT AND EXTENSION

COURSE TITLE: INTRODUCTION TO EXTENSION AND COMMUNICATION - I

COURSE: GE103RDT प्रसार एवं संचार का परिचय - I

Theory Syllabus

MAXIMUM MARKS: 100 (60+40) **MINIMUM MARKS: (21+14)**
TOTAL CREDITS: 03 **TOTAL HOURS: 48**

AIMS
This course is designed with the aim to provide knowledge of subject to the students and develop understanding of Basic concepts of Extension Education and Communication.

OBJECTIVES
- To give an understanding about the Basic concepts of subject.
- To provide guidance to students for better understanding of key concepts, thoughts, theories & practical.
- Expansion of knowledge from learning to applicability as well as understanding and identifying Communication Process and Extension Education.
- To develop broad thinking and awareness about the necessary concepts, system and terminologies.

TEACHING METHODOLOGY
- The Teaching Methodology shall be based on the scientifically proven methods of demonstration, field work and Modern Strategies.
- The Teaching Methodology for the present course would include Lecture cum Discussion, demonstration, field work, visit at Adopted Villages and practical work. Teaching will be Bilingual.

COURSE LEARNING OUTCOMES (CLO)
Communication plays key role in Extension Work. This course would empower students to be a good communicator and extension worker. The students will be able to:
1. Gain knowledge of need and importance of communication in each and every field of extension.
2. Analyse the effective communication and communication media according to requirements.
3. Perceive the importance of communication in extension education.
4. Acquire knowledge of various teaching materials and their application.

UNIT	CONTENTS	DURATION
UNIT I	**Historical Background and Introduction of Extension :-** 1. History of Extension Activities – • Extension activities done before independence • Post-independence Extension activities 2. Introduction of Extension – Concept, meaning and definition 3. Extension Education- Philosophy, Objectives and Principles 4. Characteristics of Extension Education	**10 Hours**
	प्रसार की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं परिचय – 1. प्रसार गतिविधियों का इतिहास – • स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व की गई प्रसार गतिविधियां • स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् की गई प्रसार गतिविधियां 2. प्रसार का परिचय – अवधारणा, अर्थ एवं परिभाषा 3. प्रसार शिक्षा का दर्शन, उद्देश्य एवं सिद्धांत 4. प्रसार शिक्षा की विशेषताएँ	

26.9.25 26/9/25

Syllabus – B.A. Ist Year – Academic Session 2025-26
(Under NEP 2020 & As per Ordinance 14-1)

UNIT II	**Extension Education and Extension Worker** 1. Difference between Extension Education and Formal Education 2. Relation of Extension Education with other subjects 3. Extension Worker – Meaning, Functions and Qualities 4. Role Extension Worker – As an Extension Administrator, As a Subject Matter Specialist, As a Village Level Worker, As a Communicator	
	प्रसार शिक्षा एवं प्रसार कार्यकर्ता – 1. प्रसार शिक्षा तथा औपचारिक शिक्षा में अंतर 2. प्रसार शिक्षा का अन्य विषयों से संबंध 3. प्रसार कार्यकर्ता - अर्थ, कार्य एवं गुण 4. प्रसार कार्यकर्ता की भूमिका - प्रसार प्रशासक के रूप में, विषय-वस्तु विशेषज्ञ के रूप में, ग्राम स्तर कार्यकर्ता के रूप में, संप्रेषक के रूप में।	
UNIT III	**Introduction to communication** 1. Communication- Concept, Meaning and definition 2. Elements of Communication – Sender, Message, Channel, Encoding, Decoding Receiver, Feedback, Noise 3. Characteristics of Communication 4. Importance of Communication in Extension work	**08 Hours**
	संचार का परिचय– 1. संचार की अवधारणा, अर्थ एवं परिभाषा 2. संचार के तत्व - संचारक, संदेश, माध्यम, संकेतीकरण, संकेतवाचन, संचार प्राप्तकर्ता प्रतिउत्तर, शोर 3. संचार की विशेषताएं 4. संचार का प्रसार कार्य में महत्व	
UNIT IV	**Communication Media in Extension:** 1. Communication Channel – Meaning, Definition and Characteristics 2. Classification of Extension Teaching materials – Visual Aids, Audio Aids and Audio-Visual Aids A. Visual Aids- Meaning, formation and uses in Extension work • Projected Visual Aids – Film Strips, Slides and Projector etc. • Non-projected Visual Aids – Posters, Charts, Folder, Leaflet, Pamphlet, Flashcard, Black Board, Photographs, Circular Letter etc. B. Audio Aids – Meaning and uses of Audio aids in Extension work C. Audio-Visual Aids- Meaning, Characteristics and uses of Audio-Visual Aids in Extension work, Types of Audio-Visual Aids - Drama, Television, Puppet Drama, Cinema, Traditional folk song and folk dance.	**10 Hours**
	प्रसार में संचार माध्यम एवं प्रसार शिक्षण सामग्री– 1. संचार माध्यम का अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ 2. प्रसार शिक्षण सामग्री का वर्गीकरण- दृश्य साधन, श्रव्य साधन तथा श्रव्य-दृश्य साधन अ. दृश्य साधन/सामग्री - अर्थ, निर्माण एवं प्रसार कार्य में उपयोग • प्रक्षेपित दृश्य साधन - फिल्म स्ट्रिप्स, स्लाइड, प्रोजेक्टर इत्यादि। • गैर-प्रक्षेपित दृश्य साधन - पोस्टर, चार्ट्स, फोल्डर, लीफलेट, पम्फलैट, फ्लैश कार्ड, चाकपट्ट, चित्र एवं फोटोग्राफ, परिपत्र इत्यादि। ब. श्रव्य साधन/सामग्री - अर्थ तथा रेडियो, टेपरिकॉर्डर आदि का प्रसार कार्य में उपयोग। स. दृश्य-श्रव्य साधन/सामग्री - अर्थ, विशेषताएँ एवं प्रसार कार्य में उपयोग। दृश्य-श्रव्य साधन के प्रकार - नाटक, दूरदर्शन, कठपुतली नाटक, सिनेमा, पारंपरिक लोकगीत एवं लोकनृत्य।	

26.9.25 26/9/25

Syllabus – B.A. Ist Year – Academic Session 2025-26
(Under NEP 2020 & As per Ordinance 14-1)

UNIT V	**Effective Communication** 1. Effective Communication - meaning and definition 2. Characteristics of Effective Communication 3. Characteristics of Good Communicator 4. Barriers to Communication – Physical Barriers, Language Barriers, Personal Barriers, Psychological Barriers, Organizational Barriers	**10 Hours**
	प्रभावी संचार – 1. प्रभावी संचार का अर्थ एवं परिभाषा 2. प्रभावी संचार की विशेषताएँ 3. अच्छे संचारक की विशेषताएँ 4. संचार के बाधक तत्व - भौतिक बाधाएँ, भाषागत बाधाएँ, व्यक्तिगत बाधाएँ, मनोवैज्ञानिक बाधाएँ, संस्थागत बाधाएँ	

TEXT BOOKS, REFERENCE BOOKS, OTHER RESOURCES

REFRENCE BOOKS:

1- Dubey V.K. Extension : Education and Communication, New Age Publication Pvt Ltd., New Delhi, 2008
2- Harks J.D. : Mass Communication – An Introduction Survey, Wn. C. Brown Publishers, London, 1990
3- Ray, G.L. : Extension Communication Management, Nayar Publication, Calcutta
4- हरपालानी बी.डी.: गृह विज्ञान में प्रसार शिक्षा, स्टार पब्लिकेशन, आगरा
5- बक्शी बी.के.: प्रसार शिक्षा तकनीक तथा कार्यक्रम, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
6- सिंह बृन्दा, : प्रसार शिक्षा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
7- मिश्र विनोद, शुक्ल नरेन्द्र : व्यवसायिक सम्प्रेषण, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा
8- शॉ गीता पुष्प, शॉ जायस शीला : प्रसार शिक्षा, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
9- श्रीवास्तव जे.पी. : प्रसारिकी, अमन पब्लिशिंग हाउस, मेरठ
10- श्रीवास्तव डी.एन.: सतत् शिक्षा एवं संचार, एस बी पी डी पब्लिशिंग हाउस, आगरा

RECOMMENDED DIGITAL PLATFORM, WEBLINKS

1. https://www.everyday41.com/2020/04/drshy-shravy-samamagree-arth-paribhaasha-mahatav-siddhaant.html
2. https://www.testsuccesskey.com/2015/01/audio-visual-aids-in-hindi.html
3. https://apps.worldagroforestry.org/Units/Library/Books/Book%2006/html/12.3_extension_methods.htm?n=127
4. https://en.wikipedia.org/wiki/Extension_method
5. https://www.topper.com/guides/business-studies/directing/communication/

GUIDELINES & RULES FOR STUDENTS

- The students are expected to follow the following rules for deriving maximum benefits of the course
- Don't leave the campus without permission. In case of emergency, written permission from the Course Coordinator is required. Be punctual and attend all sessions, Lectures and other activities
- Take responsibility of your own work Follow the timetable, home assignments and projects should be submitted within the stipulated time period.
- A minimum of 75% attendance is compulsory for all the students.

26.9.25

26/9/25

Governed by Kasturba Gandhi National Memorial Trust
Kasturbagram Rural Institute
Kasturbagram, Indore (M.P.) - 452020
An Autonomous Women's College, Affiliated to Devi Ahilya University, Indore
Estb. 1963

Syllabus – B.A. Ist Year – Academic Session 2025-26
(Under NEP 2020 & As per Ordinance 14-1)

B.A. SEMESTER I

SUBJECT – RURAL DEVELOPMENT & EXTENSION
COURSE TITLE: INTRODUCTION TO EXTENSION AND COMMUNICATION - I
COURSE: GE103RDP प्रसार एवं संचार का अनुप्रयोग – I
Practical Syllabus

MAXIMUM MARKS: 100 (60+40) **MINIMUM MARKS: (21+14)**
TOTAL CREDITS: 01 **TOTAL HOURS: 32**

S.No.	PRACTICAL	DURATION
1	Creation and display of porter/chart/folder etc. for sending messages. संदेश प्रेषित करने हेतु पोस्टर/चार्ट/फोल्डर इत्यादि का निर्माण एवं प्रदर्शन।	5 Hours
2	Developing skill in planning and conducting small group communication. छोटे समूह में संचार की योजना बनाने और संचालित करने में कौशल विकसित करना।	5 Hours
3	Conducting communication based activities with school students in Adopted Villages. गोद ग्राम में स्कूली विद्यार्थियों के साथ संचार आधारित गतिविधियां करना।	7 Hours
4	Interaction with villagers and understand the felt and unfelt need. ग्रामीणों के साथ अंतःक्रिया करना और उनकी आवश्यकताओं को समझना।	5 Hours
5	Developing an innovative game. एक अभिनव खेल का विकास करना।	5 Hours
6	Conduct Workshop/Symposium/Panel Discussion कार्यशाला/संगोष्ठी/पैनल चर्चा का संचालन करना।	5 Hours

26.9.25

26/09/25

Governed by Kasturba Gandhi National Memorial Trust

Kasturbagram Rural Institute

Kasturbagram, Indore (M.P.) - 452020

Estb. 1963 An Autonomous Women's College, Affiliated to Devi Ahilya University, Indore

Syllabus – B.A. Ist Year – Academic Session 2025-26
(Under NEP 2020 & As per Ordinance 14-1)

B.A. SEMESTER II

SUBJECT – RURAL DEVELOPMENT AND EXTENSION

COURSE TITLE: INTRODUCTION TO EXTENSION AND COMMUNICATION - II

COURSE: GE203RDT प्रसार एवं संचार का परिचय - II

Theory Syllabus

MAXIMUM MARKS: 100 (60+40) **MINIMUM MARKS: (21+14)**
TOTAL CREDITS: 03 **TOTAL HOURS: 48**

AIMS

This course is designed with the aim to provide knowledge of subject to the students and develop understanding of Basic concepts of Extension Education and Communication.

OBJECTIVES

- To give an understanding about the Basic concepts of subject.
- To provide guidance to students for better understanding of key concepts, thoughts, theories & practical.
- Expansion of knowledge from learning to applicability as well as understanding and identifying Communication Process and Extension Education.
- To develop broad thinking and awareness about the necessary concepts, system and terminologies.

TEACHING METHODOLOGY

- The Teaching Methodology shall be based on the scientifically proven methods of demonstration, field work and Modern Strategies.
- The Teaching Methodology for the present course would include Lecture cum Discussion, demonstration, field work, visit at Adopted Villages and practical work. Teaching will be Bilingual.

COURSE LEARNING OUTCOMES (CLO)

Communication plays key role in Extension Work. This course would empower students to be a good communicator and extension worker. The students will be able to:

1. Gain knowledge of need and importance of communication in each and every field of extension.
2. Analyse the effective communication and communication media according to requirements.
3. Perceive the importance of communication in extension education.
4. Acquire knowledge of various teaching materials and their application.

UNIT	CONTENTS	DURATION
UNIT I	**Extension Teaching Methods:-** 1. Extension Teaching Methods- Meaning and Definition A. Personal Contact Approaches – Home visit, Field visit, Telephone call, Office call, Individual letter etc. B. Group Contact Approaches – Method demonstration, Result demonstration, Field Days, Group Discussion, Penal Discussion, Workshop, Training, Village Camp etc. C. Mass Contact Approaches – Printed materials, Fair, Campaign, Camp, Radio, Television and Internet etc. 2. Selection of Extension Teaching Materials 3. Elements/Factors Affecting Selection of Approaching Methods	10 Hours

26.9.25 26/09/25

Continued.....2

Syllabus – B.A. Ist Year – Academic Session 2025-26
(Under NEP 2020 & As per Ordinance 14-1)

	प्रसार शिक्षण विधियां (संपर्क विधियां)– 1. प्रसार शिक्षण विधियां का अर्थ, परिभाषा अ. व्यक्तिगत संपर्क विधियां - घर पर संपर्क, खेत पर संपर्क, टेलीफोन कॉल, ऑफीस कॉल, व्यक्तिगत पत्र आदि। ब. सामूहिक संपर्क विधियां - विधि प्रदर्शन, परिणाम प्रदर्शन, प्रक्षेत्र भ्रमण, समूह चर्चा, पैनल चर्चा, कार्यशाला, प्रशिक्षण, ग्राम शिविर आदि। स. विराट जनसंपर्क विधियां - छपित एवं मुद्रित सामग्रियां, मेला, अभियान, शिविर, रेडियो, दूरदर्शन व इंटरनेट, इत्यादि। 2. प्रसार शिक्षण सामग्रियों का चयन 3. संपर्क विधियों के चयन को प्रभावित करने वाले तत्व/कारक	
UNIT II	**Principles of Teaching and Learning:** 1. Learning: Meaning, Definition, Rules and Process 2. Laws of Learning – Law of Readiness, Law of Exercise, Law of Effect, Law of Relations 3. Methods of Learning – Learning by Trial and Error, Learning by Observation, Learning by Insight, Learning by Imitation 4. Factors Effecting Learning	**10 Hours**
	शिक्षण तथा अधिगम के सिद्धांत - 1. अधिगम (सीखने) का अर्थ एवं परिभाषा 2. अधिगम (सीखने) के नियम - तत्परता का नियम, अभ्यास का नियम, प्रभाव का नियम संबंध का नियम 3. अधिगम (सीखने) की विधियाँ - प्रयास एवं त्रुटि द्वारा सीखना, अवलोकन द्वारा सीखना, अंतर्दृष्टि या सूझ द्वारा सीखना, अनुकरण द्वारा सीखना 4. अधिगम (सीखने) को प्रभावित करने वाले कारक	
UNIT III	**Communication: Process, Types and Models** 1. Communication Process – One way communication and Two way communication 2. Models of Communication – Aristotle's model, Shannon-Weaver's model, Berlo's model, 3. Types of Communication – Verbal Communication, Non-verbal Communication, Formal Communication, Informal Communication, Intrapersonal, Interpersonal Communication, Group Communication, Social Communication and Mass Communication	**08 Hours**
	संचार : प्रक्रिया, प्रकार एवं प्रतिमान 1. संचार की प्रक्रिया - एकमार्गीय संचार एवं द्विमार्गीय संचार 2. संचार के प्रतिमान (मॉडल) - अरस्तू मॉडल, लासवेल मॉडल, शैनन वीवर मॉडल, बर्लो मॉडल, दहामा मॉडल, डॉ. रणजीत सिंह मॉडल 3. संचार के प्रकार - शाब्दिक संचार, अशाब्दिक संचार, औपचारिक संचार, अनौपचारिक संचार, वैयक्तिक संचार, पारस्परिक संचार, सामूहिक संचार, सामाजिक संचार एवं जनसंचार	

26.9.25 26/09/25

Estb. 1963

Governed by Kasturba Gandhi National Memorial Trust

Kasturbagram Rural Institute

Kasturbagram, Indore (M.P.) - 452020

An Autonomous Women's College, Affiliated to Devi Ahilya University, Indore

Syllabus – B.A. Ist Year – Academic Session 2025-26
(Under NEP 2020 & As per Ordinance 14-1)

UNIT IV	**Communication Media in Extension:** 1. Electronic Media – Meaning, Characteristics, Radio, Television, Film etc., usage in Extension 2. Print Media – Meaning, Characteristics, Newspaper, Magazines etc., usage in Extension 3. Folk Media – Meaning, Characteristics, Major Indian folk forms, their importance and usage in Extension 4. Advantages and Limitations of Communication Media	**10 Hours**
	प्रसार में संचार माध्यम– 1. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम - अर्थ, विशेषताएँ, रेडियो, टेलीविजन, फिल्म इत्यादि, प्रसार में उपयोग। 2. प्रिंट माध्यम - अर्थ, विशेषताएँ, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, पुस्तकें इत्यादि, प्रसार में उपयोग। 3. लोक माध्यम - अर्थ, विशेषताएँ, रेडियो, मुख्य भारतीय लोक रूप एवं उनका महत्व, प्रसार में उपयोग। 4. संचार माध्यमों के लाभ एवं सीमाएँ	
UNIT V	**Effective Communication** 1. Factors related to Effective Communication 2. Functions of Communication 3. Skills for Effective Communication- Dialogue, Listening, Positive Attitude, Body Language etc. 4. Concepts relating to Communication – Perception, Fidelity, Communication Gap	**10 Hours**
	प्रभावी संचार – 1. प्रभावी संचार से संबंधित कारक 2. संचार के कार्य - सूचना और समाचार देना, निर्देशित करना, शिक्षित करना, मनोरंजन करना, विमर्श और वार्ता, प्रोत्साहन, प्रभाव डालना 3. प्रभावी संचार के लिए कौशल - संवाद, सुनना, सकारात्मक अभिवृत्ति, शारीरिक हाव-भाव इत्यादि 4. संचार से संबंधित अवधारणाएँ - अनुभूति, निष्ठा एवं संचार अंतराल	

TEXT BOOKS, REFERENCE BOOKS, OTHER RESOURCES

REFRENCE BOOKS:

1- Dubey V.K. Extension : Education and Communication, New Age Publication Pvt Ltd., New Delhi, 2008
2- Harks J.D. : Mass Communication – An Introduction Survey, Wn. C. Brown Publishers, London, 1990
3- Ray, G.L. : Extension Communication Management, Nayar Publication, Calcutta
4- हरपालानी बी.डी.: गृह विज्ञान में प्रसार शिक्षा, स्टार पब्लिकेशन, आगरा
5- बक्शी बी.के.: प्रसार शिक्षा तकनीक तथा कार्यक्रम, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
6- सिंह बृन्दा, : प्रसार शिक्षा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
7- मिश्र विनोद, शुक्ल नरेन्द्र : व्यवसायिक सम्प्रेषण, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा
8- डॉ गीता पुष्प, डॉ जायस शीला : प्रसार शिक्षा, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
9- श्रीवास्तव जे.पी. : प्रसारिकी, अमन पब्लिशिंग हाउस, मेरठ
10- श्रीवास्तव डी.एन.: सतत् शिक्षा एवं संचार, एस बी पी डी पब्लिशिंग हाउस, आगरा

RECOMMENDED DIGITAL PLATFORM, WEBLINKS

1. https://www.everyday41.com/2020/04/drshy-shravy-samamagree-arth-paribhaasha-mahatav-siddhaant.html
2. https://www.testsuccesskey.com/2015/01/audio-visual-aids-in-hindi.html
3. https://apps.worldagroforestry.org/Units/Library/Books/Book%2006/html/12.3_extension_methods.htm?n=127
4. https://en.wikipedia.org/wiki/Extension_method
5. https://www.topper.com/guides/business-studies/directing/communication/

26.9.25

26/09/25